



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 567]

No. 567।

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 28, 2007/पौष 7, 1929

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 28, 2007/PAUSA 7, 1929

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
अधिसूचना
नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 2007

सं. 45/2007—सेवा कर

सा.का.नि. 791(अ).—वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 की उप-धारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एटद्वारा सेवा कर नियमावली, 1994 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को सेवाकर (छठा संशोधन) नियमावली, 2007 कहा जा सकता है।

(2) ये सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

2. सेवा कर नियमावली, 1994 में—

(क) नियम 5 में,—

(क) उप-नियम (2) के लिए निम्नलिखित उप-नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(2) प्रत्येक निर्धारिती पहली बार चिक्रण दाखिल करते समय अथवा जनवरी, 2008 की 15वीं तारीख को जो भी बाद में हो, निम्नलिखित की प्रतिलिपि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधीक्षक को प्रस्तुत करेगा—

(i) निम्नलिखित के संबंध में कारोबार के लेखा-जोखा के लिए निर्धारिती द्वारा रखे गए अथवा तैयार सभी रिकार्ड,—

(क) कोई सेवा, कराधेय हो अथवा कर मुक्त, प्रदान करना;

(ख) निविष्टि सेवाओं की प्राप्ति और ऐसी निविष्टि सेवाओं के लिए भुगतान;

(ग) निविष्टियों और कारखानागत माल के संबंध में प्राप्ति, खरीदारी, उत्पादन, भंडारण, विक्रय अथवा सुपुर्दगी, जैसा मामला हो;

(घ) अन्य कार्यकलाप, यथा माल का उत्पादन और विक्रय, यदि कोई हो;

(ii) व्यवसाय के सामान्य क्रम में उसके द्वारा रखे गए अन्य सभी वित्तीय रिकार्ड।”

(ख) उप-नियम (4) का लोप किया जाएगा;

(ख) उक्त नियमावली के नियम-5 के बाद निम्नलिखित नियम जोड़ा जाएगा, अर्थात्—

“नियम 5क. पंजीकृत यरिसरों में पहुंच (1) आयुक्त द्वारा इसके लिए प्राधिकृत अधिकारी राजस्व के हित के संरक्षण के लिए छानबीन, सत्यापन और जांच जैसा आवश्यक हो करने के उद्देश्य से इन नियमों के अंतर्गत पंजीकृत किसी भी परिसर में पहुंच सकता है।

(2) प्रत्येक निर्धारिती उप-नियम (1) के अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी अथवा आयुक्त

या भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा प्रतिनियुक्त दल को मांगे जाने पर उपयुक्त समय में और अधिकतम ऐसी मांग किए जाने से पन्द्रह कार्य दिवसों के अंदर अथवा ऐसे अधिकारी या लेखा परीक्षा दल द्वारा प्रदान की गई आगे की अवधि के अंदर, जैसा भी मामला हो, निम्नलिखित दस्तावेज उपलब्ध कराएगा,—

- (i) नियम 5 के उप-नियम (2) में यथा उल्लिखित रिकार्ड;
- (ii) ट्रायल बैलेंस अथवा इसके समकक्ष; और
- (iii) अधिकारी अथवा लेखा परीक्षा दल द्वारा जांच के लिए आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 44कख के अंतर्गत आय-कर लेखा-परीक्षा, रिपोर्ट, यदि कोई हो, जैसा भी मामला हो।"

[फा. सं. 137/26/2007-सी एक्स-4]

आशिमा बंसल, अबर सचिव

नोट :—मूल नियम भारत के राजपत्र, असाधारण में सा.का.नि. 546(अ), दिनांक 28 जून, 1994 के जरिए प्रकाशित अधिसूचना सं. 2/94-सेवाकर, दिनांक 28 जून, 1994 के जरिए अधिसूचित किए गए थे और इनमें अंतिम बार संशोधन सा.का.नि. 586(अ), दिनांक 12 सितम्बर, 2007 के जरिए अधिसूचना सं. 39/2007-सेवा कर, दिनांक 12 सितम्बर, 2007 के जरिए किया गया था।

**MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
NOTIFICATION**

New Delhi, the 28th December, 2007

No. 45/2007-Service Tax

G.S.R. 791(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of Section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Service Tax Rules, 1994, namely :—

1. (1) These rules may be called the Service Tax (Sixth Amendment) Rules, 2007.
- (2) They shall come into force on date of their publication in the official gazette.
2. In the Service Tax Rules, 1994,
 - (A) in rule 5,—
 - (a) for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(2) Every assessee shall furnish to the Superintendent of Central Excise at the time of filing of return for the first time or

the 31st day of January, 2008, whichever is later, a list in duplicate, of—

- (i) all the records prepared or maintained by the assessee for accounting of transactions in regard to,
- (a) providing of any service, whether taxable or exempted;
- (b) receipt or procurement of input services and payment for such input services;
- (c) receipt, purchase, manufacture, storage, sale, or delivery, as the case may be, in regard of inputs and capital goods;
- (d) other activities, such as manufacture and sale of goods, if any.
- (ii) all other financial records maintained by him in the normal course of business.”;

(b) sub-rule (4) shall be omitted;

(B) after rule 5 of the said rules, following rule shall be inserted, namely :—

“Rule 5A.—Access to a registered premises.—(1)
An officer authorised by the Commissioner in this behalf shall have access to any premises registered under these rules for the purpose of carrying out any scrutiny, verification and checks as may be necessary to safeguard the interest of revenue.

(2) Every assessee shall, on demand, make available to the officer authorised under sub-rule (1) or the audit party deputed by the Commissioner or the Comptroller and Auditor General of India, within a reasonable time not exceeding fifteen working days from the day when such demand is made, or such further period as may be allowed by such officer or the audit party, as the case may be,—

- (i) the records as mentioned in sub-rule (2) of rule 5;
- (ii) trial balance or its equivalent; and
- (iii) the income-tax audit report, if any, under Section 44AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), for the scrutiny of the officer or audit party, as the case may be.”.

[F. No. 137/26/2007-CX.4]

ASHIMA BANSAL, Under Secy.

Note :— The principal rules were notified *vide* notification No. 2/94-Service Tax, dated the 28th June, 1994 and published in the Gazette of India, Extraordinary *vide* number G.S.R.546 (E), dated the 28th June, 1994 and were last amended *vide* notification No.39/2007-Service Tax, dated the 12th September, 2007 *vide* G.S.R. 586 (E), dated the 12th September, 2007.